(ग) लघु सुरधनु से पंख पसारे, शीतल मलय समीर सहारे। (10)

उड़ते खग जिस ओर मुँह किए, समझ नीड़ निज प्यारा।।

बरसाती आँखों के बादल, बनते जहाँ भरे करुणा जल।

लहरें टकरातीं अनंत की, पाकर जहाँ किनारा।।

अथवा

तू न थकेगा कभी,

तू न रुकेगा कभी,

तू न मुड़ेगा कभी,

कर शपथ, कर शपथ, कर शपथ,

अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 12899 **K**

Unique Paper Code : 2055091002

Name of the Paper : हिंदी भाषा और साहित्य का उद्भव और विकास (ख) - GE

Name of the Course : **B.Com. (Prog.)**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

SRI AUROBINDO COLLEGE तमसो मा ज्योतिर्गमय UNIVERSITY OF DELHI

1. (क) हिंदी भाषा का परिचय देते हुए उसके विकास का वर्णन कीजिए। (12)

अथवा

हिंदी की किन्हीं दो बोलियों का परिचय दीजिए।

(ख) भक्तिकाल की साहित्यिक विशेषताएँ लिखिए। (12)

अथवा

प्रगतिवादी कविता की प्रमुख प्रवृतियाँ बताइए।

2. कबीरदास ने अपनी वाणी में 'गुरु' को सबसे अधिक महत्व दिया है – सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

तुलसीदास के 'केवट प्रसंग' का संदेश और उसका महत्व बताइए।

3. बिहारी की कविता 'गागर में सागर' है। स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

भूषण वीर रस के कवि हैं। विवेचन कीजिए।

4. 'अरुण यह मधुमय देश हमारा' कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए। (12)

अथवा

'अग्निपथ' कविता का मूल संदेश लिखिए।

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(क) यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान। (10)
सीस दिए जो गुरु मिलै, तो भी सस्ता जान।।

अथवा

कृपासिन्धु बोले मुस्काई। सोई करु जेहिं तब नाव न जाई।
बेगी आनु जल पाए पखारु। होत बिलंब उतारहिं पारु।।
जासु नाम सुमिरत एक बारा। उतरहिं नर भवसिंधु अपारा।।
सोई कृपालु केवटहु निहोरा। जेहिं जगु किय तिहु पगहु ते थोरा।।

(ख) या अनुरागी चित्त की, गति समुझैं नहिं कोयं। (10)
ज्यों-ज्यों बूड़ैं स्याम रँग, त्यों-त्यों उज्जवलूँ होई ।।

अथवा

साजि चतरंग सैन अंग में उमंग धरि।
सरजा सिवाजी जंग जीतन चलत है।।
भूषण भनत नाद विहद नगारन के।
नदी-नद मद गैबरन के रलत है।।

P.T.O.

SRI AUROBINDO COLLEGE
तमसो मा ज्योतिर्गमय
UNIVERSITY OF DELHI